CHAPTER 46

PHILOSOPHY

Doctoral Theses

378. सिंह (नन्दिनी)

श्रीअरविन्द के दर्शन में शुभ और न्याय की अवधारणा : एक दार्शनिक विवेचन ।

निर्देशक : प्रो. अशोक वोहरा

Th 16382

सारांश

किसी मनुष्य के लिये सर्वोत्तम जीवन क्या है ? यह प्रश्न संभवतः सर्वाधिक कठिन किन्तु महत्वपूर्ण है । श्री अरविन्द के शुभ सम्बन्धी विचार इस प्रश्न से ही विशेष रूप से जुडे हुये है । अरस्तु ने अपनी पुस्तक ''निकोमेकियन एथिक्स'' का आरम्भ ही इस महत्वपूर्ण प्रश्न से किया है । गेरॉसिमॉस सैन्टॉस अपनी पुस्तक गुडनेस एन्ड जस्टिस में हेनरी सिजविक के विचारो से सहमति दर्शाते हुए स्पष्ट करते है कि आधुनिक नैतिक विचारधारा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण मनुष्य के लिये वास्तविक शुभ पर विचार करना ही है । शोध-ग्रन्थ शुभ के सम्बन्ध में इस प्रश्न पर ही विचार करता है ।

विषय सूची

1. श्रीअरविन्द दर्शन की संक्षिप्त रूपरेखा 2. वैदिक परम्परा में शुभ और न्याय की अवधारणा 3. श्रीअरविन्द दर्शन में शुभ की अवधारणा 4. श्रीरअरविन्द दर्शन में न्याय की अवधारणा 5. शुभ और न्याय के सम्बन्ध में श्रीअरविन्द के विचारों की समीक्षा 6. निष्कर्ष ।